समान अवसर और सबकी गरिमा एवं सम्मान का प्रतीक बनता मध्यप्रदेश

समाज में समानता एवं सद्भाव के प्रतीक संत रविदास के विचारों के अनुरूप मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सभी वर्गों के उत्थान के लिए लागू योजनाओं ने पिछले लगभग एक दशक में इनके जीवन को आमूल रूप से परिवर्तित किया है।

हर क्षेत्र में मिल रहे समान अवसरों का परिणाम है कि आज मध्यप्रदेश का हर वर्ग गरिमापूर्ण जीवन जीते हुए निरंतर प्रगति कर रहा है।

रविदास जनम के कारणे, होत न कोऊ नीच।
मानुष को नीच कर डारिहै, ओछे करम की कीच।। - संत रविदास

- संत रविदास के आदर्शों, जीवन तथा कृतित्व से समाज को परिचित कराने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर सागर, मैहर और उज्जैन में रविदास महाकुंभ का आयोजन।
- मैहर में 2 करोड़ रुपये की लागत से श्री संत रविदास श्रद्धा केन्द्र का निर्माण।
- संत रविदास की जन्म स्थली बनारस मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल।
- अनुसूचित जाति के सर्वश्रेष्ठ उद्यमियों को 5 लाख रुपये तथा समाजसेवियों को 2 लाख रुपये के श्री संत रविदास पुरस्कार।
- कक्षा सातवीं के स्कूली पाठ्यक्रम में संत रविदास जी की जीवनी शामिल।
- अनुसूचित जाति विकास के बजट में पिछले 12 वर्षों में लगभग 450 प्रतिशत की वृद्धि।
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत इस वर्ग के 11 हजार एक सौ से अधिक युवाओं को रोजगार के लिये 388 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता।
- 6500 से अधिक युवाओं को मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत लगभग 31 करोड़ रुपये के ऋण एवं अनुदान सहायता।
- 1 लाख 22 हजार 560 युवाओं को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 620 करोड़ 48 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता। 29000 से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में प्रशिक्षण एवं 9400 से अधिक सम्मानजनक रोजगारों में स्थापित।

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

“संत रविदास के विचारों से प्रेरणा लेकर हम हर वर्ग के लोगों की भलाई के लिये लगातार प्रयासरत हैं। हमारा संकल्प है कि समाज में हर वर्ग बराबरी का स्थान पाये।”

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

समावेशी विकास की राह पर-मध्यप्रदेश

/CMMadhyaPradesh /CMMadhyaPradesh /ChouhanShivrajSingh **Download App - Shivraj Singh Chouhan**